

सुखं विजय ॥

१॥ नमः श्रीगणेशाय ॥ ॥ यीशुषयतिमृकनाजमजिननागधिराजासुदं मालामकमयी
 पिनाकमम ॥ ॥ अगस्त्यतीमखली ॥ ॥ यथकीयलयनयस द्रवदसिधूतद्वमेयात्मनः
 सर्वस्मिन्त्वमयाजितयविविधवीजलवः पादुवः ॥ १ ॥ ॥ ललितगवा ॥ ॥ ललधवजमय
 वसद्वेद्यकाला ॥ गभ्रयिनाकवलनूजयमाला ॥ ॥ जतजतसववम आडलनानी सवहिं
 वविसवजिनलरवानी ॥ ५ ॥ ॥ रुगुतशुआवदवदिगवासा ॥ ॥ विमदितयविपूवथआसा ॥ २ ॥
 सववसेहावलसवदलकाडी ॥ आधनवीवदवलदवआडी ॥ ॥ सवडाजिनलनिविवाजकमा
 री ॥ यनपूनजाहिअकूक्किअधवी ॥ ॥ गहियलअधिकलकावलजानी ॥ ॥ हवमालीगिअकूव
 शिवरवानी ॥ ॥ कविगविदहनमनमवधवी ॥ ॥ कसकमिनिधतिदवमवावी ॥ १ ॥ ॥ नान्येन

॥ सुखभाव ॥ ललमतिविसुवद ॥ पवितावला ॥ अथरिगुवनयगुनीकुनिर्मालनिर्मलविमा
 सूवस्य सकलसवसार्थसविगयदकमलयगसवितस्य ॥ रुगवतः श्रीरुवदवदस्य ॥ यागोयसी
 गनसंगताः खलवि ॥ लयविद्योम सुदतं मां मनो विनादायात्मनस्य पवित्रयाय ॥ कमविषय
 गमवतावयाम ॥ ॥ ॥ यतः ॥ वि ॥ लयविद्योम ॥ लवमयतिरावती ॥ ॥ विदग्धकवर्गस्य ॥ द
 न्येवदयितावति ॥ ॥ विमयकिमनवलाकितममीलि ॥ स्मृतिमलिनीय ॥ ॥ नमदलस्यविदलमनु
 लीमकूठकाटिबन्नयरागावायवसीजातकसूमसंधरुमद्रुमवनिकवर्ग ॥ ॥ कावमूखविगदि
 गकसक्त ॥ ॥ गुरुवनरुवनेकस्मितिस्मयतं ॥ ॥ गदकनाथस्य ॥ रुगवतः श्रीविष्णुधववववि
 द ॥ मदि ॥ ॥ लविदयविदविगमरिनवनलवविरीनामनाठकीयावितीषिकीदन्ताः ॥ ॥ स्मा

नान्यपि-
॥

[illegible]

रिद्धधर्मधूसदनान्यराव ॥ अर्थवत्तविन्दमविन्दता धीसूतीक्यानुः सूत्रमिन्धूसूतम । यस्या
नूकामाधवरोमदवत्तपालनामानडयातुविद्याः ॥ ॥ पननेयत्थ ॥ मनुवत्तविन्द ॥ य
कमलमिदममीषां तदहिनीयतां ॥ सूत्र ॥ तदहं सखयामिसंलग्नतामागत ॥ प्रिययाम
ह ॥ स्वयम्बवायलक्ष्मीवधवाऊवनवध ॥ तस्यिमांमादूयसङ्गीतकमवतावयामि ॥ नप
त्थारिमुखमवलाक् अर्थः तस्मावत अः कथमादूयतायिनायाति रवकुपूनवाक्यामि
ड्डे ॥ सार्थः तस्मावत ॥ पवित्र्यनटी अरूनमादः सूत्र ॥ अः कथमादूयतायि नागता
रवती नटी अरूमाकप्यजातिदीमजनलचविदी अहिदर्वताड अरुनवलाविदर्वी तदात
समीविधर्षी कवनीजमदविलम्बाजाड ॥ सूत्र ॥ किंकिं कर्तरवत्या नटी अरुनइन्नका

नमो भगवते

[illegible]

मयकीसाथ॥ कनकवलयमलिकोलुलदाव. ऊनिरुतल्लसूययतिमूवताव॥ १॥ नागवि
ऊनमनमदनसमान. काममल्लनहायतनान॥ पूवयमिऊनऊनयदयूववाऊ. ऊारुय
ऊमतकिकवतनवाऊ॥ धवमयूयधविधवलीयान. नैषधनामधवाउलआन॥ ऊसूदवस
नऊनमननानन्द. कमूदविधिऊनियूनिमकाचन्द॥ ऊनल्लविन्दऊइनन्दनदाम. कमल्ला
यगियविपूवथूआस॥ १॥ राजा॥ यविगावत्ताव॥ सिथमस्यतिवसनसमयसमाग
मनसमूदितलुल्लदथायमूयवनववल्॥ १॥ ॥ तथाहि॥ आनआ॥ कूसमावयेनैवदले॥
ल्लदधियावीवूध॥ मयनैसूजो॥ स्वनेविगल्लत॥ सञ्जविहि॥ यद्यदे॥ १॥ कृतानागिबसि
सूयनिमधूवायूकाकिल्लानागिग॥ सञ्जवल्वायकोसूमस्यवजसावायू॥ समूनीयत॥ तदि

रु. गावत्सवहिसमयसोवस्यमनुरुवावश। दमयन्तीसलङ्काधमूखीतिष्ठति॥ राजा॥ उन्मी
 लेयनयनानेसन्दनवदनविनायने कवलयमयीकलावति विलसकुटुष्टिर्दिगन्तवष॥
 गतस्मावन्धान्ययलयनादयत॥ ॥ वसन्तवाग॥ औदिसकानेनकसूमविकाग. रुन
 खलगातद्वदवसयहास॥ वरुमलया निलयसवयवाग. ददुदिगजनिमनसिऊऊस
 जाग॥ ॥ ॥ खलमहीपतिवतियतिवह. तवहितिस्तकदमयन्तीसह॥ मधुवमधुवियू ४
 तनूधवसमान. रु. लनामिधूकवकवयान॥ रुनगविन्दऊइनन्दनदास कमला
 यतिपवियवथुआम॥ ॥ राजा॥ वसन्तसमयसोवस्यमनुरुतमनू४ पूवमासादयाव
 ००ति. अन्कष्यवेषवगमरिनयत॥ ॥ गतस्यविगल्यवटीकयलवीद्ववेषादापवद्विती

यकलि॥ ॥ धनाधीवाग॥ रुमकलियुगयुगवाज. इन्नायवद्वासवह॥ ॥ रुमवहवत्त
 धनलारुलारुत्यजि. वायदुअगलावान्धरु॥ माहिगविदयमाविनिकाव. वरुत्तयवाव
 कान्धरु॥ लानमाविन्नपनूककवजातवकाइनदिधवविवावह॥ रुनगविन्दऊइनन्दनस
 वरु. तेषनूकयवकावह॥ ॥ कालि॥ वत्तस्मदाजावदसन्नलस्रवलीज्यविहवि
 अदमत्तनीनसानमानलोवविदा॥ दायव॥ रुमन्यिगवविदा. आदिसम्वरीडाजिअ
 नरुमदाहि. कालि॥ वत्तस्मतादिभाकाविमकामनीअइ. ऊलनआदीदमत्तनीलला
 दीदावुपित्तुलुविडा. नलसअम्ववयजाआसालिहूलागादि॥ दायव॥ वरुदावि
 वास॥ ॥ कालि॥ ॥ वलावीवाग॥ वायनकवयन्नसतनदिवाज. न॥ अन्नन॥

नरेश्वर
३७

अनुरञ्जयवाङ् ॥ नाविष्वक्पनदिकिञ्च अयथाव यासगमनकेसरी ॥ ५५ ॥
 करुणदातायनक ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥
 दवयवकाव वावदववसंस्तक मारुतमाव ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥
 नकववयवकाव ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥
 मवलाकमानोतिष्ठतः ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥
 वङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥
 यमाव ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥
 नैजानि अरुमहतीविष्वक्पनदिकिञ्च ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥

मञ्जुगतिद्वै ॥ गङ्गात्मात्मगती ॥ धिक्किमनयाकी ॥ यकार्ण ॥ तदिहमन्त्रिणमना हवसतिमा
 ह्य ॥ तस्मैनिवदयाम्यततः ॥ दमयन्ती ॥ नवद्वै ॥ गङ्गा ॥ कः को गङ्गा ॥ यविष्वक्पनदिकिञ्च
 कः ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ गङ्गा ॥ मन्त्रिणसर्वलया ॥ दोवाविकः ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥
 निष्कान्तः ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥
 ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥
 नः ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥
 कधवम् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥
 यदलजसवास ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥ अनुरञ्जयवाङ् ॥
 ॥ गङ्गा ॥ मन्त्रिण ॥ मनाममकात्मव्य

॥३॥

भैरवगुरुं ॥ मन्त्री ॥ द्रवस्तुलमनयां कथा विदितभंवृद्धिस्तु विलसितानां रुतयवि
तो वेषवित् ॥ बाजा ॥ यथायथा कलपुनादिगुणवर्णनं ॥ निकर्तुमादधय ॥ मन्त्री ॥
यथास्तु यथायथा ॥ ॐ नि निष्कान् ॥ ॥ कलि ॥ वस्तुमादास्तु वन दास्तु दसं हि व
कुर्वन् हि अस्तु मन्त्राणि मिना नलसु सवस्तु बालाष्टिदा अस्तु ननं अस्तु दा लि हि द वि
रुतं यत्नं वस्तु नि न क इ न्तु मादा न मिदं ॥ दायवं ॥ लवो अस्तु माता अस्तु सनी न
अस्तु ॥ अस्तु कर्ण कर्ण हि अस्तु पि ग इ अस्तु श्व वा न स ग इ ॥ अस्तु पृष्ठ वस्तु ॥ ॐ त्र्य
यान्यमा रा धो निष्कान् ॥ गतं वृत्ति नि मा विद्या लह सं ॥ पृष्ठ व ॥ सव इति ॥ ५ वी ॥
हम इति विनं हस्त इति गत विदित हस्त इति वीनं ॥ हस्त विनी हस्त वपाम धनि

[illegible]

१
२
३
४
५

दवर्तकामे ॥ बाजा ॥ आहूता ॥ ननिवर्तय ॥ वनमिदमदीय ॥ तदहमवगच्छामि ॥ दम ॥ अ
 ऊडरु ॥ उक्तविमर्श ॥ अज्जमा मिक कञ्जपवर्तु ॥ लशरु ॥ बाजा ॥ दविजिगमवेलमवग
 क ॥ यविकम्यपूष्कर्वदृष्ट ॥ अथपूष्कवधूतथोरवान् ॥ पूष्कवध ॥ बाजानमवलाकात्म
 गरी ॥ मचषनेषधवाज ॥ यथादामादिनयुगियतिकवर्षोरुसतापानम् ॥ स्थलार्थकिति
 पालमो लिमकट ॥ खनरख ॥ इयते ॥ दि ॥ देनावलदनकानयनसायुर्गु ॥ जिलाकीसुन ॥
 पुन्यल्लक ॥ गिषवृद्धयूनकीयश्शरि ॥ धरु ॥ जगत् ॥ युकार्ण ॥ अथकि ॥ बाजा ॥ गदा
 वर्यगा ॥ पूष्कवध ॥ कषादी ॥ बाजा ॥ खर्गु कोद्य ॥ पूष्कवसइयवर्धगा ॥ बाजा ॥ त्वम
 यवि ॥ द्यूगावर्कवृत्त ॥ दमयनी ॥ अऊडरु ॥ समलम ॥ नीचक ॥ लहस्यवाचमि ॥

रुमस्मजसविमर्क ॥ लयवर्तु ॥ समुचिदं दवर्तहि ॥ ममल ॥ सि ॥ महायविमवस
 लीवर्तुजनि ॥ तालिवर्तुम् ॥ बाजा ॥ अज्जलेवकीउति ॥ पूष्क ॥ बाजनिदं जिगमिगवत्येयगा
 ॥ बाजा ॥ सकलकाषजाती ॥ पूष्क ॥ जिगमिदमन्यइयगा ॥ बाजा ॥ साहसकलसेन्य ॥
 नय ॥ दववर्तवविन्दसंदर्शनायसकतय ॥ यवर्तने ॥ दम ॥ महाबाज ॥ यवर्तु ॥ दि ॥
 दसर्तकामिनि ॥ बाजा ॥ नायमवसव ॥ पूष्क ॥ कियतामयवधयल ॥ बाजा ॥ जनयद ॥ पू
 ननय ॥ दव ॥ विविधवर्तजागमानीयद्वाविवर्तमल ॥ दम ॥ लवलाह ॥ दयल ॥ इदिग
 रुवासि ॥ लिवदनि ॥ बाजा ॥ अनाकलुिती ॥ कनेकीउति ॥ दम ॥ बाजानमनूनयनीवव
 लथीस्यगति ॥ कालाव ॥ वाचसूज ॥ धिववाज ॥ अयदगमडावहज्ज ॥ वडरुयहा ॥ वल

रू विदितहातसवतहू ॥ ५ ॥ यरुहलवडंकविनडयसभ ॥ जानिनयविनविमम ॥ वा
 न्दसविसरुसतावा ॥ अरुसकलकनवावा ॥ रनलविन्दमलान ॥ वसकमजादववा ॥ ६ ॥
 गागासकाध ॥ अरुमीलमयदल ॥ राजनमादल ॥ ७ ॥ दम ॥ विलकावनतमरवीतिष्ठति ॥ व
 क ॥ अन्यदुहि ॥ बाजा ॥ सानुद्वनिमदिनी ॥ दम ॥ दामभूलीनारु ॥ दालिपिजुहालज
 समवहि ॥ मविनविमसहिभंलि ॥ यविससहि ॥ गुम्हाविमानसामन्नयविसा ॥ लि ७
 वरकासाहानि ॥ बाजा ॥ उन्मरुवयातयोकांनीति ॥ यक्षवमारोषत ॥ यक्षसाष्ट
 हारम ॥ बाजनसर्वजितमिदानी ॥ दमयनीयलय ॥ बाजा ॥ दमयनीमाला ॥ साष्टन
 यनानकिप्रिनादिधरु ॥ यक्ष ॥ बाजनमयाजितसर्वमदीर्घ ॥ बाजा ॥ नवमवागक

सचरु ॥ यक्ष ॥ तहियवित्यष्टतावा ॥ बाजा ॥ यक्षवयवित्यष्टत ॥ मनागनूजीविस्त्रहाविन
 नद्वि ॥ यक्ष ॥ यवस्वपवित्यष्टतामाह ॥ दिवसवला ॥ अरु ॥ योवका ॥ नपदाजनो यविजी
 वितनव ॥ यथा ॥ अरु ॥ नदापानीयमगर्न ॥ वसतिधनदया ॥ बाजा ॥ सकलारुवमनियवित्यष्ट
 एकवसुमारुसम्भीत ॥ कवलयापिययावगम्यमाना ॥ बाष्टादयमराति ॥ ॥ मालववाग ॥
 समदलयविजनानि ॥ सीगदमयनिवानि ॥ तसवनहि ॥ कांउजान ॥ वजकवउम्वसा
 न ॥ ५ ॥ रुविश्यविहविवाजुसपन ॥ नलवह ॥ वललारुवने ॥ वलटियलटिकतिववि ॥ व
 ययातनह ॥ विहवि ॥ नयननीवयवटवी ॥ अविन्दरुनवृमरुवी ॥ १० ॥ ॥ बाजा ॥ कियदू
 रीगत्वा ॥ यवावृषावला ॥ अरु ॥ तहयविहतमवनगर् ॥ दमयनी ॥ मरुशुसमलिजम

१
२
३
४

अनक वल्लभ ललल नि ॥ बाजा ॥ साधु गमात्म गती ॥ यस्याः निवीषक सुमाद वि
 कामलैव तल्लषकेल्यतयल्लवलागनीयै ॥ सातुक्रमचितमरुतयदमायतोहाः स
 र्यममापियतमा विषयषयाति ॥ सुकानै दविनिवरुस्व नालिगृहगक विवगवयविगु
 नासि विषमार्यगनयविषय ॥ ॥ कालावराण ॥ काननविखमपाववनहियानि
 कंडानडयवास असनदवन्नानि ॥ मदिनिसजनगकहा नतगह अनवनयगवष
 वानसन्दह ॥ ६५ ॥ समदमहाय विदावनाथ नरुविसदिनि अनहनजाह ॥ कुमरुनि
 हावहि आननमाव जाव नहिजनममरुद्यमखगान ॥ नतवालि धवलिमरुक्रियवगान
 गविचरुनरु निचवनडयान ॥ १० ॥ ॥ दम ॥ बाजानमाहि य ॥ उ काप्याश्लनवी

ज्याति ॥ बाजा ॥ सल्लोलव्वा दविनिवरुस्वात्मनविदरुगमिनामार्णव ॥ दम ॥ ललह
 मयविदुविजुकहि मयवादिदद्व कदाजलनयविदुवि अलालिनी नजीवनहि ॥ ॥
 कालाव ॥ विपिनविषमजगयाववह यागनविनूवावि ॥ विसुवगसवयविरुवमाह
 वमरुवकमलनिहावि ॥ ६५ ॥ ताहयविदुविषरु नकसविह केसकभलरुतयवान ॥ वि
 नूजलननलिनिमलिनिहाअह समधवविनूवाति ॥ विअविनूवाविजीवजदिह
 हियवजुडवकिसाति ॥ विनूजलनजगगवबलजनिह सधदविनूवाज ॥ विनूसीकव
 सवलील्लह उअवविअसामिसमाज ॥ रुनल्लविदुगुहमतिधनिह यविह
 नयनयाव ॥ सामिसमाजवगनज ॥ ६५ ॥ जाहि विनूजगतमधव ॥ ११ ॥ ॥ बाजा ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

नामनिवर्तमानामवगत्य ॥ विथन्नागम्यतामिति ॥ तथासहगमनमस्मिनीय ॥ विलास्य ॥
 यवः पथः कनकयुक्ताः पद्मिणी दृष्टवन् ॥ तदहं विद्यावल्लभनवासमैवेष्टीयकतमविधा
 समानयामि ॥ यनेकनविकीर्तनं चित्रतवमूर्तिर्नस्यत्यतः ॥ इत्यन्यतागकृति ॥ दम ॥
 राजानेषुगीकमानागिष्यत ॥ नय ॥ निवर्तस्वमहीयात् ॥ वयमकालपाद्विना ॥ डि
 ध्रुवः समायाताः यवीधानयठनव ॥ दम ॥ नरावलास्य ॥ रुद्धीः महाबाजुस्यवस ॥ १०
 न रुनीश्रुदि ॥ अंहादवतिक्कवर्णवकुम्पियविठविज्ज ॥ तुमससकसा ॥ यविस्थ
 विलस्यवदनावाजा ॥ मरुहजयदतमववसर्न ॥ अथवा ॥ निजदावुगमितमहीचक
 स्यात्पकमवेतत् ॥ दम ॥ जूडाडरु ॥ मदीनदीवसनैद्वल ॥ यविधानैकवीज्ज ॥ बाजा ॥

नृन्यमवलोकयन् तथा कवाति ॥ नय ॥ रुक्मिणिषधायि यत ववीयमवस्का. रुक्मिणीताव
 दस्येष्टमायनादद्वेवामि ॥ ॥ धनाष्टी ॥ मलयानिलसञ्जवायसवय कूममयवाग ॥
 ॥ ५२ ॥ विपिनदविश्रा ॥ लिव. नलदमयनीयिविति ॥ सवदिनीसीकवसिगला. सवमन
 रुक्मिणीनन्द ॥ ॥ रुक्मिणीनन्दविश्रा ॥ लिव. ववदथकमलाकान् ॥ १२ ॥ ॥ यविकेम्प
 पूर्वस्मकाननसवानिम्माय. तास्यामदृष्टमानावतिष्ठत ॥ बाजा ॥ विथयूवस्सवसीत
 दिरुमनायुयविश्रव ॥ ॥ रुक्मिणी ॥ उत्कलकमलाभादसम्यक् सुरगानिलगजवा
 मरुयकावाकि. शमाकस्वन्मरवाम् ॥ ॥ दम ॥ मरुगान्मरुविज्ञा. रुक्मिणी. तामरुल्लवीसमी
 ॥ ॥ ॥ रुक्मिणीवयविश्रव ॥ बाजा ॥ मरुल्लविश्रम्य. यत्विमान्दिशमालाक. ॥ विथय

२३
५३

मागनेवसर्वी तदनामिह वातिवाह्यावः॥ तथदि॥ वृमरुमिरुताविद्यदाम्बुध्व व
 रुमिवांशुलिवांशु विसङ्गितः॥ यततिपुष्पवन्धुवन्धुवः द्वियदिकाननिऊव विमुच्यत॥
 देविनिहावाधनः॥ दम॥ मदासन्नसूवीनइ॥ बाजा॥ स्वयिति॥ दम॥ लयिनीयतिमेवग
 त्यलगत॥ बाजा॥ दुक्तायदवीमालाक॥ कष्टमः॥ यामवाला किलनिनानदिवाकवने
 मानयियानलयनानमदस्यतिस्म १ पृथ्वीयतर्ममकलंगमियश्वराया निदामवि
 दतकिमस्मि विधवसाध्व॥ त्यजाम्यनायमवावसवः॥ विचिन्त्यकथमिमां चिवसमय
 मखीयवित्यववर्लिषः ममानुवरुननधावई॥ खमनरुविद्यति॥ त्यकादुचिद्वत्तिवि
 यविवावमासादयिष्यति॥ ॐ त्यक्ताशुकामः एककमुगविषयति॥ रुक॥ एकमवमवास

११

रुक्थंखलुयामीतियाध्वमवलाकनः कलियूगनायदितकववालमालाक रुक याफः क
 ववाले॥ सिद्धेन॥ समीहितमितिखड्गमादाय वरुकुद्वययति॥ अथसहजललात्यनवि
 लफयेतन॥ सुकामवसन्वदति॥ ॥ बाग॥ वाटखटलिधनिनिरुवनीदलेलिसमस्विनध
 तयवीवः समविस्ममविनह दहचडूनदह यवसयसकलनवीव॥ ५५॥ समदमहीधव द
 अडनडनमव चादेवदनिमूखद वि॥ सकवदमभूवि मगुगपाएवविद्यवित्यस्य कनक्य
 वाधुलकर्मलः॥ कयटवत्सलस्यनलस्यायविति॥ अकिक्कसमसूवसं वरुसवासवसं
 यवालिहमविमूयवाध॥ किक्कनधववधनि पूवयमगुनि आवविधिवमसववाध॥ ५६॥

जन्मानुवयियदिनामनला रुचयः सेवशिलाकलुरुगनिषधपूरीभा ॥ ख्यास्तमवकन
 शाकलतमवः माहृत्प्रियपूनरयतववियथाग ॥ ॥ अष्टपूनजनमनल नदिमहीग
 लः मेधधनगरीनाम । गुणमतिगहिनि हाळूहताहृदिसनि । अनूहाअनसनविवाम ॥
 ॥ ॥ अतावदवनलस्यजीवितमूर्खयेयार्कः विधाहुर्द्धवावात्मनः पूधुमधनममनलि १२
 लाकीतलमिति वदनतया गृन्ध्याध्वमवलाक्य पूनः पूनः पविर्वरुत ॥ स्तनपासहवि
 यलतवकतेवनि माहृत्तयकयाव ॥ रुनलाविन्दमति किक्वतनवयति दावलादेवयहाव ॥
 ॥ १३ ॥ ॥ इतिनिधिलयध्वदवलाकयन् यक्किमति ॥ नयत्थ ॥ यविगायस्व ॥ वाज्ज ॥

कथमारुधनिः श्रुयतः नूनसमवतादावदहननयविवृतवपुषः कस्यविदाकन्दिर्न । तर्कि
 कथामिकावनायमतिपवृद्धादावानलानिबिसमः प्रमकर्षितोह ॥ भाधर्ग ॥ किंवाकविष्य
 तितनाममइर्मवस्य मूफाक्षितवियतमस्यचजीवितय ॥ खपूमादाय ॥ नययविगातामी
 तिनिष्कान् ॥ ॥ वनदवताअरुहृदष्टिषथमतीतानवयतिः कथमिर्थमूफाक्षितायुनि
 वसलावलिध्या ॥ दम ॥ नाह मामीविब्रुं अरुतिस्वप्रायत ॥ वनदवता हावभयय्यव
 मनीगत ॥ दम ॥ निदामयहायः गृन्ध्याध्वमेवलाकत ॥ ॥ कोलाव ॥ ताहृविनसोमिदस
 उदिसदेखितसवमून । कलिसगठलहिसूनखाटवसमविधिसूगून ॥ ५२ ॥ स्तनसन्न

१
२
३
४
५

रुदिरुदिरुवि नकसविवनमाह ॥ नमूननीवयवटविठवि धनिधरुचनाह ॥ सस्कृतमात्रि
 ल्य ॥ मृगचदसितिवाहितसुवा ॥ मखयासूरुगददिदलनम ॥ कोरुकीकिअदिर्यदिवदना
 रुदनायददयस्यजायत ॥ नियननिकुह्य रुद्धीर वसनैयिविकिर्नतागदामहावाड ॥ माहि
 याविनिनहियातव पिसूयविरुविगल ॥ नीदनिकाबलिबेविलि समदिडनदिगल ॥ स १३
 ववसम्राजविवतरुल यद्दखवासाध ॥ गविन्दरुनकलव विधिवसनदिवाध ॥ १४ ॥ ॥
 ॐतिमूर्कति ॥ वनयवगाणनेमालिङ्ग तामरुकापायसवति ॥ दम ॥ वगनीलव्वा ॥ अङ्गु डह
 यतासि ॥ ॐतिवाज्ञानमाणक्ष्य पाव्यमवलाकत ॥ साङ्ग ॥ काप्रककाविलकितासिविज

दिल्ली यूधहिदावदरुनालिङ्गदलदाचकहिं समिन्नबिल्लीरादि सकवर्ण लामम
 कोजीवलावलम्वल लाममललासलासुनानेन्दन लाममहिमन्नवन्दन मीमन्दरा
 ॐली यविरुविअ ॥ लिङ्गत्रिवलीअदिहि डकाय डमलवगिवितनृनृकनीयवि
 कामति ॥ ॥मालव ॥ गजलतनयधननेरुवलाक सामिसमाङ्ग विसविसवसा
 क ॥ सयनसमापलसनसंवर्गल हाथकवगनदेवह विलल ॥ १५ ॥ कहुकहुगव
 निविताहमावराण कोडानइदखलभावनैषधवाच ॥ सामिविइनिधनियाविनि
 जीव किङ्कनहिकाङ्गदिवसकदीव ॥ ॐतिमूर्कति ॥ रुनगविन्दवनसयतिमात्र द

५ विसवासि अडलिना ॥ १५ ॥ वनदवता वत्स समावसिद्धि ॥ दमा ॥ काशदी ॥ रु
गतिविशम जीवितमावृत्ति ॥ वनदवता ॥ वत्स ॥ वनदवतास्मि ॥ दमा ॥ दविनमाद ॥ वनद
वता वत्स जीवतिमावृत्ति ॥ दमा ॥ सकवर्ण ॥ अविलसत समूह कमल यकि स्म ॥
वनदवता ॥ मीलचित्वा दले वत्स ॥ वत्सनालं च दुष्टय ॥ यवियालय यत्स याव
द्विषियक द्विषि ॥ किंच ॥ ॥ धन्य ॥ अविलललाचन डल रुच ॥ मूरवन कन
हिमन् ॥ विनरुतिमिव विविडगत सनन्द चन्द ॥ ५॥ कवभ्रसवा मक कमल मुखि
अनुराग तसमाज ॥ अवधिसम अय विपालव हि सनरुलवहावि विषय विवेक

जादि वरुणसन इच्छावि ॥ कमल कन ता वज्राडव याववनि ॥ वाज ॥ सम्पदसूय
वृषसयन वस ॥ अहि विनरुति काज ॥ दमा ॥ दावक हिमन् वद्विद्व ॥ वनदवता ॥ न
यसुवाडूय वरुहि रुड जाड समय समान ॥ किन हिमिलय मनावथा ज ॥ अवहय य
वान ॥ दविवचन जीवितारखल कविलं विन्दगान ॥ कमला कान कन वृष रु विजग
त किसान ॥ १६ ॥ ॥ दमा ॥ सामिनि सामि विवहानल डडुक हिम अजाल क ॥ अ
काज ॥ विरावमि ॥ ताक धी ॥ अजाली काजाल गमिस्म ॥ वनदवता ॥ अरुन वम्मा
पदलिनी रुविष्यामि ॥ ॥ तिनि ॥ कान यथमा क ॥ १७ ॥ ॥ तग ॥ यविगतिनल
दमयन्त्या वन्निषान् रीमयूवा हि त ॥ सुदव ॥ ॥ वाग ॥ अजाल सुदवद वगु वस

नलदमयनी इह इह उदय ॥ गमनं च यथावनलेल नूवाम ॥ अथवा पयः ॥ नवि
 विसवाम ॥ यल्लिगवालकना विरिखावि ॥ कंडनक रुच्य अरिमन मवधवि ॥ कत ऊतन
 जाहू ॥ न सव दस ॥ नयसुवा इव नयावल इह ॥ वयेच विरसुनि जल नूवाम
 रुन नूवि दं ऊइन नन दाम ॥ १॥ ॥ सवता वला ॥ सेवय वाहू ॥ सुवाहू नूग
 वी ॥ यस्यामास्य मवा कू ॥ मृग दल नी नय नि नि द्यते ॥ संगीत धूम दन दम धवा
 यस्या च गम्रा दिग ॥ यस्या सादय वयथा दयेठ ली जालानुवा विरुवन ॥ निदग्ध गुद
 धूप धमल रुवी लालित्य माल मवत ॥ निवक वसिवा वटी यविष्ठा कामि ॥ तइयवना कू
 समान्यानीय सुवार्चनमाचवामि ॥ यवावला ॥ अहाम वरिसमाऊन वामनीयक

१३

आ४

मयवनस्य ॥ ॐ रुहि ॥ मलयज नितवाता न्हा लिताना लिताना ॥ घनकसमयवागे ॥ पूर्य
 गदिग्विराग ॥ यव गव निगाना मूनमत्ता कलीलि ॥ रुवति कसमधवा यधनि दाद
 विद ॥ ॐ तिकसमावचय मरिनयति ॥ नयथ ॥ डाम वध ॥ डमवला दामदा वा
 लसल निनी कसमा ॥ अवि विनि दी अदा ॥ मयव ॥ आक ॥ निमिठ सवयित्वा न्म
 गत ॥ मन ॥ य सन्नग मिनि ॥ दन्ति ॥ सुवती कली ॥ लसती वक्रिया सिद्धि ॥ मन कला
 विधिर्मम ॥ दमय न्या ॥ वेरु विर्य ॥ रुवत्त कविता रुत्वा गकामी लन द्द ॥ तत
 यविगति दमय न्या सहसन द्या ॥ ॥ गु ॥ अनी वा ॥ ॥ ॐ ॥ लि सून द्या कमल मूरवी ॥
 सी गदमावति द विमरवी ॥ यीनयथा धव स रुज सिवी ॥ कनकलता ऊनि डगल गिबी ॥

ॐ
ॐ
ॐ

सुन्दरवदनविलाचनवद्गुणानन्दवकाशसाक्षात्क्षणसंग ॥ नृपवसनवयशकाव-
जगतिनिमनमथजययवचाव ॥ इवजननयेनशुभायलदखि ॥ अविन्दरुनवमहवि
अवसखि ॥ ॥ सुनन्दा सहि ॥ उज्ज्वलगङ्गा कसुमा ॥ अवविन्दु ॥ दम ॥ यथा
कथञ्चिदनमत्य ॥ जयितुमर्ह्यज्जलवदि ॥ ॐ तिष्ठयावचेयन्नाटयत ॥ सुनन्दा ॥
अर्हा उज्ज्वलसंवमलिङ्गगुहातायक ॥ ॥ सार्वगी ॥ यन्त्रवन्धवविकचखुलका
स संचरमधूकवनयनविकास ॥ रुलकचरावलीडलिज्जति ॥ ॐ सुनिद्रकमान
सदवसयलारु ॥ ॥ ॥ दखसखियवमसाक्षात्क्षणसङ्ग ललितलतातववन्मालि
ग ॥ काकिलकलेककसुमसावशाग यूनखलेसीलयस्वपइन्ननूबाम ॥ तनादिकस

१७

मदगुहिर्यववा ॥ मिलनरिमनकवि ॥ अविन्दरान ॥ ॥ दम ॥ साक्री ॥ अधू ॥ सु
नन्दा ॥ सहियक ॥ मकनूबलविकाहि न्नामहू इज्जती ॥ सुकसुममिदमि माहवील
दामि ॥ लकुदि ॥ निमिलसुवयित्वा ॥ दमसुनि नवी ॥ सहिवल्लह ॥ यविक
रु ॥ इ रुमिदी ॥ निमिलसुवयित्वा ॥ सहिवामकीरुव ॥ सुनन्दा ॥ साहवीक विस्म
दि ॥ सुदव ॥ आत्मगती ॥ नूनमनयापियविवहितयो कदाचिदु विनर्च ॥ यतिवन्न
यनवाधा ॥ वाधा हृदि ॥ कमायाति ॥ नूनमीयत नदस्या ॥ यमवतिविवहानलावलवा
न ॥ ॐ यमवदमयनीरुविद्यातिपाय ॥ रुवन्ववगकामि ॥ यकाणी ॥ यवित्यय निज्जवा
र्थ ॥ यस्मिन् ॥ पियवासह ॥ नलानाममहीपाला ॥ दृष्ट ॥ कनाविकु ॥ ति ॥ ॐ तिप ० ति ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

दम ॥ आकर्ष्य समस्तममालाकव ॥ सहिकमिगम्यनादीसदि ताडकगकक ॐ त्व
रूपविक्रम्य उयसयत ॥ दम ॥ मकारागमनमाद ॥ मयव ॥ समीहितसिद्धादु ॥ दमा
कोरुव ॥ किमकीनदि ॥ मयव ॥ कल्यातिवाक्कागीमस्ययवाहितशयवित्यक्षत्यादिपु
नर यंति ॥ दम ॥ मार्क ॥ तादसदवाहि ॥ मय ॥ कोरुवगी ॥ दम ॥ ताद मरुतु वमन्द
रावनी दमनकी ॥ मय ॥ मरुतु ॥ दविकुलर्त ॥ दम ॥ गडीविदगविना कदाकन
लर्त ॥ मयव ॥ सविखादी ॥ दविकुलर्त निषधवाड ॥ दमा ॥ ममन्दरावनी लिन्दा ॐ
नी गुरुल पविठविभ्रलन्नाल कर्हियालिदा ॐ नित्रादिति ॥ मूनन्दा ॥ काप्रमामहा
रात्रस ॥ मय ॥ यन्यल्लकस्यमाहिषीइहितागीमरुयत ॥ दमयनीतिविख्याता स

११

यसहचरीतव ॥ मूनन्दा ॥ सविखादी ॥ दमनकी कुमसि ॥ रुद्धीर तावप्रिदात्तम् ॐ ति
तकालावितमनूनैर्यकवाति ॥ मय ॥ दविधितवीतवविद्यत मयदितग ॥ मूनन्दा ॥ रुद्ध
ममन्त्रम्वानभा रुवावहिलिडता ॐ धरुवविद ॥ दम ॥ ममहावास्स म्मल्लमर्न कवलि
की ॥ मूनन्दा ॥ ॐ दा ॐ वकनीअइ ॥ दम ॥ विवयविद्व हातवालमोटीमूहियकिम् ॥
मूनन्दासविनयी ॥ अज्जालनीमम कन्ना ॐ मयवाडाकि स्वमिम्मा ॐ स्वमविनेच्चा
म् ॥ मय ॥ लयगीर गमनाय ॥ मूनन्दातामालिस्य ॥ ॥ कालाव ॥ नविविक्कुव
लिङ्गगङ्गाकव इत्तुडइत्तुङ्गाङ्ग वहिनिवहिनिक ॥ अनकवाडव यवम्भिने

खनमनलाग. सधनइउसुमन नूननूनजाग॥ नीतिकलिलयदवगुबूहीन. ऊसू गु
 लननपतिवहयनिवीत॥ सिविल्लविन्दनमानसलास. दूजयूकमिनिघतिजादव
 बा॥ ३ ॥ ॥ मरी॥ दो वाविक. श्रीमद्वयादानाका वसव॥ दो वा॥ मरु गुज. वि
 अल. किमिविनुनूनमहाबाड. विट्टदि॥ मरु॥ तनूला. मदागमननिवेदय॥ दो
 वा॥ यविकम्य. ऊसू इ २ लनन. कामहाबाज. मरु गुडा. आसूदा॥ बाजा॥ नीधुवव
 णय॥ दो वा॥ मरुलीयवलयति॥ बाजा॥ मरुलीमालाक. सविनमासनमासन॥ म
 नू. सत्वमयविलति॥ बाजानमालायात्मगर्॥ कथमद्यविषयुवुवलकतमहामा
 ऊ॥ युकोर्ण॥ युतायाकाद्ववादयहवनिविद्यधितिमिर्वयनय्यदाधकतिलकनविमा

मागमगदग. १. नृपिणीसाग्राजलघयतिस्वात्ममधियत. विद्यादसूकस्मात्पूनवय
 मकस्मादहह॥ बाजा॥ ललमरुन॥ देवादयतबाजस्य. पूव्य. ललकस्यरूप॥ दमय
 नीद्वितीयस्य. नकापिष्टयतकिति॥ नृपिच॥ पूव्यवधिः सूदवावि. नाद्यापिनयना
 तिथि॥ तनमरुतकविरुस्य. नास्मिकगायिनिर्वृति॥ मरु॥ महाबाऊमाविषीद. नदिता
 दगमहापूव्यान्वियदधिवमनरुवन्ति. इर्विधयविनिवीकितान्निर्व. यापूवानिनविष
 किमूकमा॥ प्रायवाइवदनयवारुव. रूपवयविवरुतववि॥ बाजा॥ यद्यव. तथापि
 स्त्रुनयवितयतहदय॥ यविल्लदोवाविक॥ सूरुवपलम्य. ऊसू इ २ दवा. दव. सूदवाम.

राजा जसपरादिदायवीरमन्त्रीसमर्पइजावविहदि॥ राजा सासाहमूलायस्वयमय
मृत्यु दीवाविकलीसुवणाय पूराहित दीवा निष्कमपरादितीसवणयति राजा पूरादि
तैषलमति सुदवः अलिमगल्लगठनरुया॥ राजा ॥ सुदवे कसिदमयनीसुदवः। वि
यविवदविवलु वाधवा लोकनक रुमयायनीवदिववतिष्ठत ॥ राजा साधन ॥ कंगी २०
निषधवाउ॥ सुदवः। दमयनीवनिवदयिषति ॥ राजा ॥ दमयनीदर्शनार्थ स्वयनमन
सुदवमवतगका मि ॥ सुद यथास्वाययतिदव ॥ गतिनिष्कान॥ ॥ राजानंदमयनी
दर्शयति ॥ राजा ॥ तामालाकसविषाद ॥ सेवर्यदमयनी ॥ नूराविधाउदोवात्मी ॥ यदि

यमीदलीनवकामायना कलामन्यामिन्दा विवनिधतिगीवाइवदन गलथग
लीमिवकुमलिनी ॥ लीतविकला ॥ इगागहालायामिवकनकमालाविनिहिता सु
तामालाकनयतिविवदिता सीदतिमन॥ दम ॥ यितवदद्वेवदितचवलयोनिधित
ति ॥ राजा ॥ साक्रीतामालिषाकाययति ॥ यल्लेनर ॥ ॥ कालावा ॥ सुवनगम
खलालिष्टवियतावा ॥ अमि ॥ यिविउजनिवसचकावा ॥ ॥ ॥ हाहासविवदहा
दखिदमयनीजनिवाकवेहा ॥ नाह विनूअधिकमलिनी विकुवालिइथजनिवा
लरुविनी ॥ एनगविन्दमतिद्वयददा ताडकेशजाडदिवसवहमन्दा ॥ १ ॥
राजातामालिष ॥ परिक्तास निषधवाउ॥ दम ॥ नूराविधाउदोवात्मी ॥ यदि

हुं इति उदहाड ॥ उज्ज्वलमविषितम् ललितमलकहि उयहा ॥ ॐ तिमुक्तम् ॥ वा
 जा ॥ ताम्रकौष्य वत्ससमाधिसिद्धि ॥ दम् ॥ वित्तवैषम्य ॥ ॥ विरामो ॥ मृगदम्बक
 तसम्पदयुक्तं हृदावत नमानलक ॥ अनङ्गनिषध ॥ यविहवियविज्ञेन गमनकसुल
 वन दाम्बकविविध ॥ ५५ ॥ धर्मलियवलि ॥ वि- तागवचनधवि विलम्बकमलमखिवा
 ॐ ॥ विषदविकलमन माहियविहविवन काजानवडानदिगलला ॥ अरु- सनादि २९
 वसवत लम्बकवमरुत मरुज्जना ॐ मरुला ॥ अदिनमित्तवयद् दहनपेमन
 सद् विनविनकसनिनामी ॥ अविन्दकविहने वृममधसूदन सकलकह ॥ अवि
 धारी ॥ ६ ॥ वाजा ॥ सविनी ॥ हृत्कथमिदमनायमावविनी ॥ विषधनाथन

वत्ससमाधिसिद्धि ॥ यावन्निषधनाथमन्त्रयामि ॥ दम् ॥ तादम्रदुधाममृदुलम्पित
 जीविर्म् ॥ वाजा ॥ मरुन कथमिरीजीवति सलयमायनावलिद्योत ॥ मरुनी ॥ दवस
 त्वमन्त्रिद्योता निषधवाजा ॥ वाजा ॥ मरुन द्वावेमवधायामि ॥ मरुनी ॥ दवसूदक
 वाक् तस्मिन्नागविधमादमयनी वाजा ॥ वमव ॥ जीवनालम्बनाथय दमयन्त्यास्व
 यानुल ॥ अन्विद्योता मरुत्याय ॥ स्वामिना रक्किशोर्जन ॥ मरुदव सीमित्युववलायुक्त
 दयनेव सयत्सातसमीहित ॥ वाजा ॥ यवाहित त्वयतामन्त्रयत्तय ॥ यवाहित ॥
 यथास्वाययतिदव ॥ ॐ तिमुक्तिग ॥ मरुनी ॥ दवसूदितमिद विहितमवाता हम्पिका
 यान्कवमयनतिष्टामीति निष्कान्क ॥ ॥ दम् ॥ यक्ति- मरुदवमवगाय सत्त्वमय

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३६ ॥

मृत्युशूलमति ॥ मूढं व मरुताञ्ज मूलीञ्जुड मूढवः ॥ सादवतइय विलतिरुवनी ॥ दम् ॥
 मीकृतमाश्रित्य ॥ काननं जयिगोलीनां मीकृतवसनं निजि ॥ त्वज्जदकाकिनी गाय
 कायनाथो व्यसगर्भ ॥ ४७ ॥ मूढा उरुवदः ॥ साङ्गवमदावाडा ॥ जालिदवा ॥ सक
 वृत्ता ॥ मीमन्दराङ्गलि यूपविजीविद ॥ मित्तस्यदिहिम ॥ लयवदि ॥ ॥ विरासा ॥
 विसवदिवसनिना ॥ तिमिररुवनदिना ॥ संखः ॥ तनूञ्जवसनं ॥ धवलि सवनदल ॥ २२
 दिवहइतवरुल ॥ मीययवन्नयनाथ ॥ ५५ ॥ रुवि २ मित्तवयवानना ॥ थपूनमा ॥ हिया
 यिनि ॥ मननकवयपनरीति ॥ त्वरुवन्नाववधवि ॥ वरुवकडानरूपवि ॥ सकनव ॥ ५५
 जीववद ॥ ॥ मीविन्दकविरन ॥ कूममंधूसूदन ॥ त्नावतिसमन्ननमह ॥ २२ ॥ ॥ मूढव ॥